

03.03.25

पत्रावली पेश। उभय पक्षकारान् उपस्थित।

अप्राचीण सं. 1, 5, 6 की खोर से

कोई उपस्थित नहीं होने से इनके

विक्रम एउपक्षीय कार्यवाही अमल में

लाई जाती है। प्राचीण अधिवक्ता

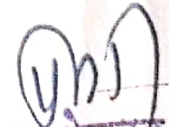
द्वारा प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को

दीखाने हुए निवेदन किया कि मौजा

बावरला के खसरा नं. 964/1 रकबा

1.1300 हेक्टर में अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा




सहायक कलेक्टर, सांचीर
(उपखण्ड अधिकारी, प.प. 7/0.)

को मूल वाद के निस्तारण तक
यथावत् करमावे। अप्रार्थी सं. 02
के अधिवक्ता द्वारा जवाब प्रार्थना
पत्र में कर्तित वज्यों को दोहराते
हुए कथन किया कि प्रार्थीगण का
उक्त खासरे पर कोई कब्जा नहीं है।
व पेश किये गये सारे तथ्य गन्त हैं।
हमने अप्रार्थी सं. 3 व 4
द्वारा दिये गये प्रार्थीगण के पत्र में
जवाब व काउंटर क्लेम का अवलोकन
किया। उभय पक्षकारान की बहस
व पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात
का मली माली अवलोकन किया।
प्रथम दृष्टया प्रकरण सुविधा का संतुलन
प्रार्थीगण के पक्ष में होने से प्रार्थीगण
का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है।

—आदेश:—

अतः अप्रार्थीगण के विरुद्ध मूल वाद के
निस्तारण तक इस आश्रम की अस्थति
विधेयान्ता जारी की जाती है कि मौजा
वावरला के ख.न. 964/1 रकबा 1.1300
हेक्टेयर में मौजे व राजस्व रिकर्ड
की यथास्थिति बनाए रखे। पत्रावली
कैसल शुमार होकर नंबर से रुम,
दाखिल दफ्तर हो। (पुनः)

सहायक कलेक्टर, सांचौर
(उपखण्ड अधिकारी, सांचौर)